

कक्षा : 7

हिन्दी

पाठ : 1

चित्र के संग-संग

अभ्यास / स्वाध्याय



अभ्यास

1. चित्र का अवलोकन करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :



(1) पहले चित्र में कौन-कौन सी क्रियाएँ हो रही हैं ?

➤ पहले चित्र में निम्नलिखित क्रियाएँ हो रही हैं :

(1) साइकिल की दूकानवाला साइकिल के टायर में पंप से हवा भर रहा है।

(2) एक गुब्बारेवाला गुब्बारे बेचने जा रहा है। गुब्बारे हवा में उड़ रहे हैं।

(3) एक कुँजड़ी (सब्जी बेचनेवाली) टोकरी में सब्जियाँ लेकर उन्हें बेचने जा रही है।

(4) एक कुत्ता रास्ते में लेटा हुआ है।

(5) दूकान के डंडे पर तोता बैठा है।

(6) सड़क पर एक व्यक्ति बाइक पर बैठकर जा रहा है।

(7) बाइक के पीछे एक रिकशा जा रहा है। रिकशे में एक यात्री बैठा है।

(8) रिकशे के पीछे दो कारें हैं।

(9) सड़क पर एक मोची अपने सामान के साथ बैठा है और शायद ग्राहक की राह देख रहा था।

(2) गुब्बारे हवा में क्यों उड़ रहे हैं?

➤ गुब्बारे हवा में उड़ रहे हैं, क्योंकि उनमें गैस भरी हुई है।

(3) ट्युब में हवा कब और क्यों भरी जाती है?

➤ जब ट्युब में हवा कम हो जाती है या बिल्कुल नहीं रहती, तब उसमें हवा भरी जाती है। ट्युब में हवा भरने से टायर कड़ा (ठोस) बनता है। टायर कड़ा होने पर ही साइकिल ठीक से चलती है।

(4) चित्र में कुत्ता मुँह लटकाकर क्यों लेट गया है?

➤ चित्र में कुत्ता मुँह लटकाकर लेट गया है, क्योंकि वह आराम कर रहा है।

(5) कुँजड़िन (सब्जी बेचने वाली) कहाँ-कहाँ जा सकती है?

➤ कुँजड़िन (सब्जी बेचनेवाली) अपनी सब्जियाँ बेचने के लिए घर- घर और गली-गली जा सकती है।

(6) रिक्शे में एक ही यात्री क्यों बैठा है?

➤ रिक्शे में एक ही यात्री बैठा है, क्योंकि रिक्शेवाले को दूसरी सवारियाँ नहीं मिलीं।

2. चित्र का अवलोकन करके प्रश्नों के उत्तर दीजिए :



(1) टायर फटने पर क्या-क्या हुआ?

- टायर फटने पर टायर में हवा भरनेवाला आदमी गिर पड़ा।
- कुंजड़िन के सिर पर से टोकरी गिर गई और सब्जियाँ जमीन पर बिखर गईं।
- डंडे पर बैठा तोता उड़ने लगा।
- बँधे हुए गुब्बारे छूटकर यहाँ-वहाँ उड़ने लगे।
- मोची का सामान इधर-उधर बिखर गया।
- लेटा हुआ कुत्ता उठकर भागने लगा।

(2) टायर के अलावा फटनेवाली अन्य चीजों के नाम बताइए।

➤ टायर के अलावा फटनेवाली अन्य चीजें : गुब्बारा, फुटबॉल, बास्केट बॉल, तकिया, मुन-वोकर आदि।

(3) रिक्शेवाला बाइक से क्यों टकराया?

➤ बाइकवाला गलत ढंग से रास्ता बदल रहा था, इसलिए रिक्शेवाला बाइक से टकराया।

(4) टायर फटने का प्रभाव किन-किन पर नहीं पड़ा?

➤ टायर फटने का प्रभाव रिक्शा, कारों और मकानों पर नहीं पड़ा।

(5) मोची क्यों रास्ते पर आ गया?

➤ टायर फटने की आवाज से डरकर मोची रास्ते पर आ गया।

3. 'टायर फटा' घटना के सन्दर्भ में आपने चर्चा की। आप भी ऐसी किसी आँखों देखी घटना के बारे में बताइए।

➤ पिछले साल मैं अपनी मौसी के यहाँ गया था। एक बार मौसाजी अनाज की बोरियाँ ट्रक से बाजार ले जा रहे थे। उस समय मैं भी उनके साथ ट्रक में बैठा था। रास्ता पहाड़ी था। अचानक जोर की आवाज हुई और ट्रक एक ओर थोड़ा लुढ़क गया। मैं बुरी तरह डर गया। मौसाजी ने

कहा, "घबराने की कोई बात नहीं है। आगे का एक टायर फट गया है। शायद कोई नुकीला पत्थर उसके नीचे आ गया है।"

- ट्रक का टायर इतनी जोर से फटा था कि जिस रस्सी से बोरियाँ बाँधी थीं वह ढीली हो गई थी। इसलिए कुछ बोरियाँ नीचे सरक आई थीं। यदि ट्रक थोड़ा और आगे चलता तो ये बोरियाँ नीचे गिर जातीं। उस घटना से नुकसान तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन उसकी याद आज भी मुझे डरा देती है।

स्वाध्याय

1. चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) रबर से बनी हुई चीजों के नाम लिखिए।

➤ रबर से बनी हुई चीजों के नाम : गेंद, तरह-तरह के टायर, पेन्सिल से लिखा हुआ मिटाने की रबर, रबर बॅन्ड आदि।

(2) टायर फटने से पहले क्या हो रहा था?

➤ टायर फटने से पहले साइकिल की दूकानवाला टायर में हवा भर रहा था, गुब्बारेवाला गुब्बारे बेचने जा रहा था, कुँजड़ी सब्जियाँ बेचने जा रही थी, मोची सड़क पर बैठा था और शायद ग्राहक की राह देख रहा था, कुत्ता लेटा हुआ था और तोता डंडे पर बैठा हुआ था।

(3) टायर क्यों फटा?

➤ टायर पुराना था, इसलिए हवा अधिक भर जाने से फट गया।

(4) टायर फटने के बाद क्या-क्या हुआ?

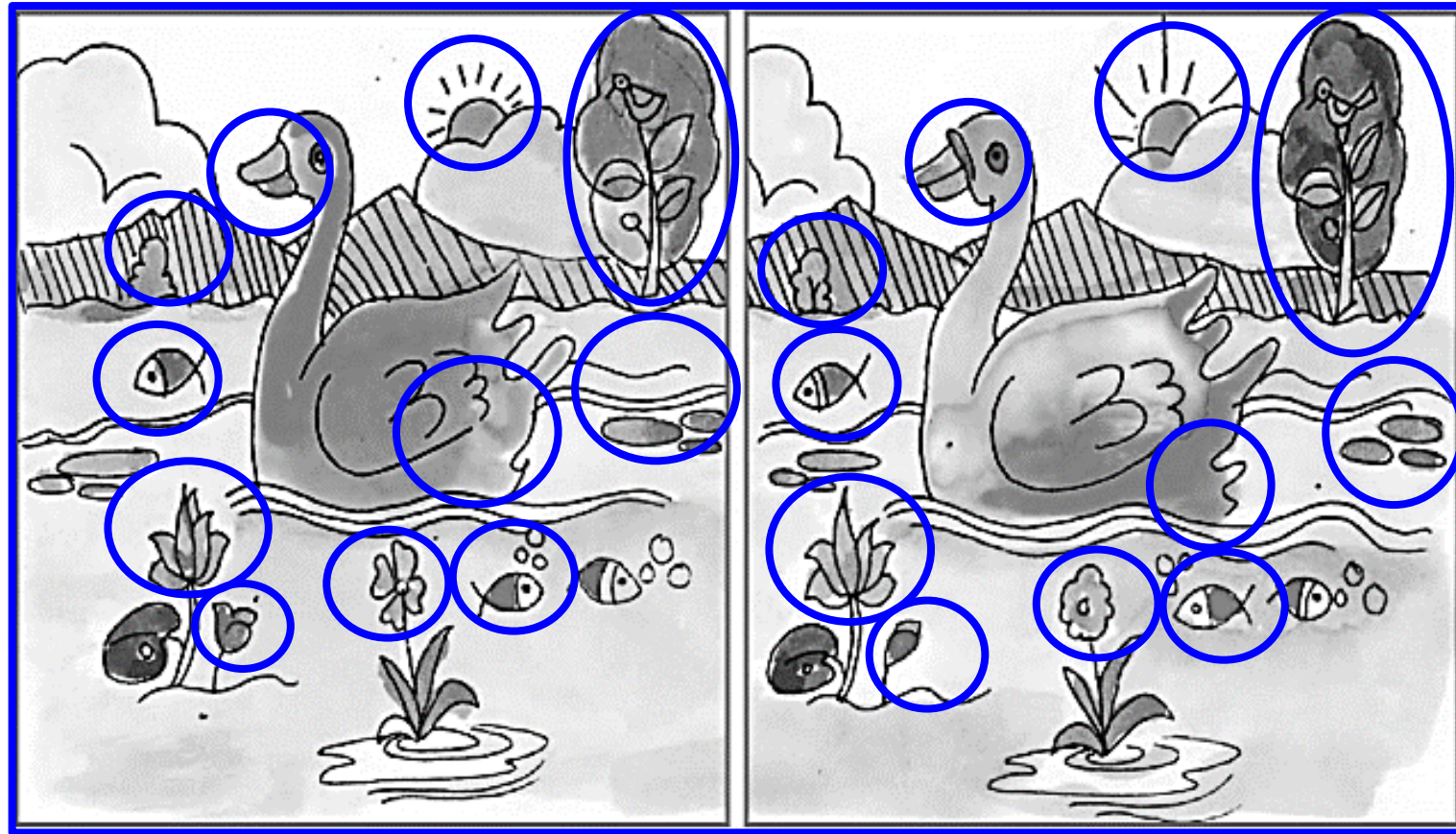
➤ टायर फटने के बाद टायर में हवा भरनेवाला आदमी गिर पड़ा।

कुँजड़ी के सिर पर रखी टोकरी से सब्जियाँ जमीन पर बिखर गईं। तोता घबराकर उड़ने लगा। डोरी से बँधे हुए गुब्बारे अलग होकर हवा में उड़ने लगे। मोची का सामान इधर-उधर बिखर गया। लेटा हुआ कुत्ता भागने लगा।

2. निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर उसका सुलेखन कीजिए :

सूर्य अस्त होने से पहले ही वह गुरुजी के घर जा पहुँचा। उसने गुरुजी के चरण छूकर प्रणाम किया। उसके साथियों को जब पता चला कि वह फिर वापस आ गया है, तब वे तरह-तरह की बातें बनाने लगे। गुरुजी उसे देखते ही बोले; "बेटा वरदराज ! तुम घर नहीं गए क्या?" वह नम्रतापूर्वक बोला, "गया था, गुरुजी, पर आधे रास्ते से लौट आया। अब मेरी आँखें खुल गई हैं। मैंने निश्चय किया है कि मैं पूरी लगन और परिश्रम से पढ़ूँगा। आज से आपको कभी कुछ कहने का अवसर नहीं दूँगा।"

3. चित्रों को देखकर दोनों में क्या-क्या अंतर है, ढूँढ़कर बताइए :



Thanks



For watching